# भक्त खडचा दरबार में बाबा तेरे सामने लिरिक्स

भक्त खडचा दरबार में,
बाबा तेरे सामने,
ओ बाबा खोल दे भण्डारो,
तेरो काई घट जासी,
काई घट जासी रे बाबा,
काई घट जासी,
ओ बाबा खोल दे भण्डारो,
तेरो काई घट जासी।bd।

देखे – दर्शन करने आए।

---

दूर दूर से सेवक बाबा,
आस लगाकर आया,
झोली भरसी सेठ सांवरो,
खाली झोली ल्याया,
खाली झोली ल्याया,
थे हो लखदातार जी,
मत करियो इंकार जी,
ओ बाबा खोल दे भण्डारो,
तेरो काई घट जासी।bd।

---

ताले भीतर माल मेलकर,
नज़र घुमाकर बैठ्यो,
या देने की नीत नहीं है,
क्यों शरमा कर बैठ्यो,
क्यों शरमा कर बैठ्यो,
साँची साँची बोलो जी,
माल खजानो खोलो,
ओ बाबा खोल दे भण्डारो,
तेरो काई घट जासी।bd।

---

आज तेरे दरबार से बाबा,
लेकर के ही जास्या,
सौंप दे चाबी सेठ सांवरा,
वरना लूट मचास्या,
वरना लूट मचास्या,
[illegible]

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सबका दिल ने तोड़ रयो,
ओ बाबा खोल दे भण्डारो,
तेरो काई घट जासी।bd।

---

भक्त खड्या दरबार में,
बाबा तेरे सामने,
ओ बाबा खोल दे भण्डारो,
तेरो काई घट जासी,
काई घट जासी रे बाबा,
काई घट जासी,
ओ बाबा खोल दे भण्डारो,
तेरो काई घट जासी।bd।

**Singer – Sanjay Pareek Ji**

---

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com